Devikrita Shiva Stuti

देवीकृता शिवस्तुतिः

Document Information

Text title : Devikrita Shiva Stuti 2

File name : shivastutiHdevIkRRitA2.itx

Category : shiva, shivarahasya, stuti

Location : doc_shiva

Transliterated by : Ruma Dewan

Proofread by : Ruma Dewan

Description/comments : shrIshivarahasyam | mAheshvarAkhyaH prathamAMshaH | adhyAyaH 27 - kailAsavarNane devIpUjAstutikathanam | 42-61||

Latest update : December 17, 2023

Send corrections to : sanskrit@cheerful.com

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

Please help to maintain respect for volunteer spirit.

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

December 17, 2023

sanskritdocuments.org

Devikrita Shiva Stuti

देवीकृता शिवस्तुतिः

देवी -
हर हर परिपाहि दीनबन्धो पुरहर देव दयानिधान धीर ।
मुरहरपरिपूजिताङ्घ्रिपद्म प्रकटसुधाकरशेखरोरुवीर ॥ ४२॥

करिवरखरचर्मवस्त्र शम्भो ह्युरगवरोत्तमहार मारमार ।
परिपाहि दयानिधान भर्ग त्रिनयन कालकलाविहीनदेह ॥ ४३॥

श्रुतिवरतुरगोत्तमाद्य शम्भो गरगलनील तमालपुष्पमौले ।
भवभयहर कारणातिगान्तकारे हरिगिरिशरकार्मुकात्तपाणे ॥ ४४॥

परिपाहि विभो त्रिशूलपाणे नरहरिकृत्तिवसान बालपाल ।
विधिकन्धरहंसशोभिहस्त (विधिकन्धरहन्तृहस्त शम्भो)
पद्मानलनयनाग्निविदग्धकामदेह ॥ ४५॥

इमं दवरसामजप्रकटस्तोत्रकुम्भादरं
सनन्दनसनातनैः कलितवन्दनं शङ्करम् ।
अनिन्दितगुणोत्तमं सुमनिवृन्दवृन्दारकैः
पिचण्डिलसुतुन्दिलैर्गणवरौघनृत्तादरम् ॥ ४६॥

- -
स्कन्दः -
इति संस्तुवते देवी देवीशं परमेश्वरम् ।
रुद्राणीगणसंवीता योगिनीगणसेविता ॥ ४७॥

महाकैलासमध्यस्था दिव्यदेवाङ्कसंश्रया ।
सापि देवं जगन्माता पूजयत्यनिशं शिवा ॥ ४८॥

देवदेवं महादेवं गोवृषोत्तमगामिनम् ।
वतंसितसुधाधामशेखरं श्रुतिसंस्तुतम् ॥ ४९॥

जटाकलापनिटिलानलनेत्रं महेश्वरम् ।

नीलकण्ठं विरूपाक्षं सोमसूर्यानलाक्षिकम् ॥ ५० ॥

कुरङ्गरञ्जितकरं कालकालं कृपानिधिम् ।
भस्माभ्यक्तं त्रिपुण्ड्राङ्कं रुद्राक्षवरहारकम् ॥ ५१ ॥

महोरगफणारत्नमालाकीलितकन्धरम् ।
उद्यदिन्दुकरप्रख्यकर्पूराभकलेवरम् ॥ ५२ ॥

दिव्यसिह्मासनासीनं महाकैलाससौधगम् ।
गणस्कन्दमहानन्दिभृङ्गिचण्डीशसेवितं ॥ ५३ ॥

मुकुटोद्दामगङ्गोत्थरयशोभितमस्तकम् ।
अब्जमित्राग्निनयनं सोमखण्डोज्वलालकम् ॥ ५४ ॥

उत्फुल्लपुण्डरीकाच्छमालाललितकन्धरम् ।
देवं नन्दनमन्दारवरमालाविभूषितम् ॥ ५५ ॥

खपटं परितो दग्धत्रिपुरासुरगोपुरम् ।
अन्धकान्तकमाशास्यं स्वभक्तजनवत्सलम् ॥ ५६ ॥

नमिताशेषदेवादिमुकुटोज्वलपादुकम् ।
वामदेवं महासामस्तोमस्तुतमतीन्द्रियम् ॥ ५७ ॥

रथन्तररवप्रीतं राजद्राजनतोषितम् ।
महावैराजराजश्रीराजराजकलाधरम् ॥ ५८ ॥

सर्वोपनिषदां सारमेकीभूतमिवेश्वरम् ।
ध्यायन्ती सा महादेवी स्वमनःपद्मसद्मगम् ॥ ५९ ॥

तध्यानसारभाराभिः प्लावितानानपङ्कजा ।
नान्यत्साचिन्तयदेवी जगज्जन्मादिसंस्थितिम् ॥ ६० ॥

इत्थं ध्यायन्ती चन्द्रशेखरपदं चोत्फुल्लहृत्पद्मगं
देवी नन्दननन्दनेऽपि गिरिजा सापारवश्यान्तरा ।
नान्यत्किञ्चन विद्यते (नान्यत्किञ्चिदमन्यत) त्रिभुवने
निस्सारमेतज्जगत्तुच्छीकृत्य महाच्छमानसपरा स्वात्मानमीशं हृदि ॥ ६१ ॥

॥ इति शिवरहस्यान्तर्गते माहेश्वराख्ये देवीकृता शिवस्तुतिः ॥

- ॥ श्रीशिवरहस्यम् । माहेश्वराख्यः प्रथमांशः । अध्यायः २७ - कैलासवर्णने देवीपूजास्तुतिकथनम् । ४२-६१ ॥

- .. shrIshivarahasyam . mAheshvarAkhyaH prathamAMshaH . adhyAyaH 27 - kailAsavarNane devIpUjAstutikathanam . 42-61..

Notes:
Skanda स्कन्द narrates the eulogy to Śiva शिव recited by Devī देवी at Her grand residence at Mount Kailāsa कैलास शैल, and goes on to describe Śiva's Presence there - that itself is like a eulogy to Śiva शिव.

Encoded and proofread by Ruma Dewan

Devikrita Shiva Stuti

pdf was typeset on December 17, 2023

Please send corrections to *sanskrit@cheerful.com*